SAARTHI · सारथी
करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal
"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Patwari (Revenue Department, Rajasthan)

पटवारी राजस्व विभाग का सबसे ज़मीनी अधिकारी है, जो एक पटवार हलके के कई गाँवों की ज़मीन का पूरा रिकॉर्ड सँभालता है। जमाबंदी, खसरा-गिरदावरी, नामांतरण, फसल खराबे की रिपोर्ट और सीमाज्ञान जैसे काम पटवारी ही करता है, इसलिए गाँव में उसकी...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/raj-patwari

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)
www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

🙏 विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

पटवारी राजस्व विभाग का सबसे ज़मीनी अधिकारी है, जो एक पटवार हलके के कई गाँवों की ज़मीन का पूरा रिकॉर्ड सँभालता है। जमाबंदी, खसरा-गिरदावरी, नामांतरण, फसल खराबे की रिपोर्ट और सीमाज्ञान जैसे काम पटवारी ही करता है, इसलिए गाँव में उसकी पहचान और महत्त्व बहुत अधिक होता है। भर्ती राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (आर.एस.एस.बी.) करता है और अब इसके लिए स्नातक होना तथा सी.ई.टी. स्नातक स्तर उत्तीर्ण होना ज़रूरी है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	स्नातक + सी.ई.टी. स्नातक स्तर + कंप्यूटर प्रमाण-पत्र (आर.एस.-सी.आई.टी./सी.ओ.पी.ए./'ओ' लेवल)
भर्ती संस्था	राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (आर.एस.एस.बी.), जयपुर
आरंभिक वेतन	पे मैट्रिक्स लेवल-5, मूल वेतन ₹20,800
माँग	पिछली भर्ती में 3,705 पद; हर पंचायत क्षेत्र में पटवारी आवश्यक

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- ज़मीन, खेती एवं गाँव के कामकाज में रुचि
- लोगों की समस्याएँ सुनना एवं समाधान करना
- रिकॉर्ड, रजिस्टर एवं नक्शों के साथ काम करना

क्षमताएँ

- आँकड़ों एवं मापों में शुद्धता
- धैर्य एवं निष्पक्षता से विवाद सुलझाना
- नक्शा पढ़ने एवं क्षेत्र की समझ

ज़रूरी कौशल

- जमाबंदी, खसरा एवं नामांतरण की समझ
- ज़मीन की पैमाइश एवं सीमाज्ञान
- राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम एवं नियमों का ज्ञान
- गिरदावरी एवं फसल खराबे का आकलन
- कंप्यूटर एवं अपना खाता / ई-धरती पोर्टल का उपयोग
- हिंदी में स्पष्ट रिपोर्ट एवं टिप्पणी लेखन

- ग्रामीणों से संवाद एवं जनसंपर्क

4 कैसे पहुँचें

1. कक्षा 10 उत्तीर्ण करें, फिर किसी भी संकाय से कक्षा 12 पूरी करें।
2. किसी भी विषय में स्नातक (बी.ए., बी.एससी., बी.कॉम. आदि) पूर्ण करें — 2025 की भर्ती से पटवारी के लिए स्नातक अनिवार्य है।
3. कंप्यूटर प्रमाण-पत्र लें — वी.एम.ओ.यू. कोटा का आर.एस.-सी.आई.टी., एन.आई.ई.एल.आई.टी. का 'ओ' लेवल, आई.टी.आई. का सी.ओ.पी.ए./डी.पी.सी.एस., या कंप्यूटर विज्ञान में डिग्री-डिप्लोमा।
4. आर.एस.एस.बी. की सी.ई.टी. स्नातक स्तर परीक्षा दें और उत्तीर्ण करें; यह अंक 3 वर्ष तक मान्य रहते हैं।
5. पटवारी भर्ती की अधिसूचना आने पर ऑनलाइन आवेदन करें और 300 अंकों की मुख्य लिखित परीक्षा दें।
6. दस्तावेज़ सत्यापन के बाद ज़िला आवंटन प्राप्त कर पटवार हलके में नियुक्ति लें।

प्रमुख परीक्षाएँ

- सी.ई.टी. स्नातक स्तर (आर.एस.एस.बी.) — पटवारी के लिए अनिवार्य पात्रता परीक्षा, अंक 3 वर्ष मान्य
- आर.एस.-सी.आई.टी. (वी.एम.ओ.यू. कोटा) या सी.ओ.पी.ए. — कंप्यूटर पात्रता हेतु
- आर.एस.एस.बी. पटवार मुख्य परीक्षा — 150 प्रश्न, 300 अंक, 3 घंटे, ऋणात्मक अंकन

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- RKCL - RS-CIT computer course (with VMOU Kota) — हर ज़िले में आई.टी.-ज्ञान केंद्र (https://www.rkcl.in/)
- Government ITI - COPA trade — राजस्थान के सभी ज़िले

ऑनलाइन

- RSSB official syllabus and previous papers — ऑनलाइन (https://rssb.rajasthan.gov.in/)
- Apna Khata (e-Dharti) land records portal - practice with real records — ऑनलाइन (https://apnakhata.rajasthan.gov.in/)
- आर.एस.एस.बी. — पिछले प्रश्न-पत्र, उत्तर कुंजी व पाठ्यक्रम (निःशुल्क) — राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की आधिकारिक साइट — तैयारी के लिए सबसे भरोसेमंद निःशुल्क सामग्री (https://rsmssb.rajasthan.gov.in/show_archived?menuName=Xj4lCb9vGxpQnfLs%2FxlZ2g%3D%3D)
- स्वयं (SWAYAM) — भारत सरकार के निःशुल्क ऑनलाइन कोर्स — निःशुल्क (https://swayam.gov.in/)
- राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (NDLI) — निःशुल्क पुस्तकें व अध्ययन सामग्री (https://ndl.iitkgp.ac.in/)
- एन.सी.ई.आर.टी. — निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें — सामान्य ज्ञान, गणित व विज्ञान की नींव (https://ncert.nic.in/)

फ़ीस

सरकारी महाविद्यालय से स्नातक की फीस लगभग ₹3,000 – ₹15,000 प्रति वर्ष। आर.एस.-सी.आई.टी. पाठ्यक्रम का शुल्क लगभग ₹3,000 – ₹4,000 (132 घंटे, 3 माह)। सी.ई.टी. एवं पटवार परीक्षा का शुल्क कुछ सौ रुपये (आरक्षित वर्ग को छूट)। सरकारी आई.टी.आई. से सी.ओ.पी.ए. करने पर शुल्क बहुत कम रहता है।

छात्रवृत्तियाँ

- Mukhyamantri Anuprati Coaching Yojana (free coaching, apply via SSO) (https://sso.rajasthan.gov.in/signin)
- Rajasthan Social Justice and Empowerment Dept scholarships (https://sje.rajasthan.gov.in/)
- National Scholarship Portal (NSP) (https://scholarships.gov.in/)
- Buddy4Study scholarship search (https://www.buddy4study.com)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

पटवार भवन एवं तहसील कार्यालय, गाँवों के खेत-खलिहान, राजस्व न्यायालय, ग्राम पंचायत भवन तथा अटल सेवा केंद्र।

कार्य-संस्कृति

अधिकांश काम फील्ड में — खेतों में जाकर गिरदावरी, पैमाइश एवं मौका रिपोर्ट। किसानों, सरपंच एवं तहसीलदार से रोज़ संपर्क। फसल कटाई, आपदा एवं मुआवज़ा सर्वे के समय काम का दबाव बढ़ जाता है। महिलाएँ भी बड़ी संख्या में पटवारी बन रही हैं।

कौन नौकरी देता है

- राजस्व विभाग, राजस्थान सरकार
- ज़िला कलेक्ट्रेट एवं तहसील कार्यालय
- बंदोबस्त (सेटलमेंट) विभाग
- राजस्व मंडल, अजमेर
- उपनिवेशन विभाग (नहरी क्षेत्र)
- भू-अभिलेख आधुनिकीकरण परियोजनाएँ (ई-धरती)

माँग (2026)

राजस्थान के हर पटवार हलके में एक पटवारी आवश्यक है, इसलिए यह पद कभी समाप्त नहीं होता। पिछली भर्ती में 3,705 पदों पर चयन हुआ था और सेवानिवृत्ति तथा पदोन्नति से लगातार रिक्तियाँ बनती रहती हैं। भू-अभिलेखों के डिजिटलीकरण के बाद कंप्यूटर जानने वाले पटवारियों की ज़रूरत और बढ़ी है। एक बात स्पष्ट रहे — ऊपर दी गई "माँग" पदों की संख्या बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। चयन खुली प्रतियोगिता से होता है और आवेदन करने वालों की संख्या पदों से कई गुना अधिक रहती है, इसलिए अधिकांश अभ्यर्थी किसी एक भर्ती में चयनित नहीं हो पाते। यह इस करियर के विरुद्ध तर्क नहीं है — बस इसे अपनी एकमात्र योजना न बनाएँ। तैयारी के साथ-साथ पढ़ाई जारी रखें या कोई कौशल सीखें, ताकि परिणाम चाहे जो हो, वर्ष व्यर्थ न जाए।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. पटवारी (परिवीक्षाधीन) — पटवार हलके में नियुक्ति
2. गिरदावर / कानूनगो (भू-निरीक्षक)
3. नायब तहसीलदार
4. तहसीलदार
5. पदोन्नति से राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आर.ए.एस.) तक

कमाई

शुरुआत	₹20,800 (मूल, लेवल-5)
मध्य स्तर	₹26,300 – ₹33,800 (लेवल 8-10, गिरदावर/नायब तहसीलदार)
वरिष्ठ स्तर	₹37,800 से अधिक (लेवल-11 एवं ऊपर, तहसीलदार)

शुरुआती वेतन का आँकड़ा मूल वेतन है — पे मैट्रिक्स लेवल 5 का आरंभिक मूल वेतन — ताकि इसे दूसरे करियर के साथ सीधे तुलना किया जा सके। इस पर महँगाई भत्ता (1 जनवरी 2026 से मूल वेतन का 60%) एवं मकान किराया भत्ता अलग से जुड़ते हैं, इसलिए हाथ में आने वाली राशि इससे काफ़ी अधिक होती है। मध्य-स्तर व वरिष्ठ स्तर के आँकड़े भत्तों सहित अनुमानित मासिक आय हैं, मूल वेतन नहीं। ध्यान दें — राजस्थान में सीधी भर्ती से लगे कर्मचारी पहले 2 वर्ष परिवीक्षाधीन प्रशिक्षणार्थी रहते हैं और इस अवधि में वेतनमान नहीं, बल्कि एक नियत पारिश्रमिक मिलता है; इन दो वर्षों में महँगाई भत्ता व मकान किराया भत्ता देय नहीं होते (राजस्थान सेवा नियम, नियम 7(30क))। पूरा वेतनमान परिवीक्षा पूरी होने के बाद लागू होता है। राजस्थान के सातवें वेतनमान के अनुसार पटवारी का आरंभिक पे मैट्रिक्स लेवल-5 है, मूल वेतन ₹20,800। महँगाई भत्ता, मकान किराया भत्ता एवं हार्ड ड्यूटी भत्ता मिलाकर हाथ में लगभग ₹24,000 – ₹30,000 प्रति माह आते हैं। ऊपर दिए गए आँकड़े राजस्थान के सातवें वेतन मैट्रिक्स पर आधारित हैं, जो 16 अगस्त 2026 तक लागू है। आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन की शर्तें 28 अक्टूबर 2025 को स्वीकृत हुई थीं और आयोग को गठन से 18 माह के भीतर सिफ़ारिशें देनी हैं। राज्य सरकारें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफ़ारिशें आमतौर पर कुछ संशोधनों के साथ, और कुछ देर से, लागू करती हैं — इसलिए राजस्थान का वेतनमान भी आगे संशोधित होगा, यद्यपि कब और कितना, यह अभी तय नहीं है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- अपने ही ज़िले या आसपास के गाँवों में सरकारी नौकरी एवं सम्मान
- किसी भी विषय से स्नातक पात्र — विज्ञान या वाणिज्य ज़रूरी नहीं
- तहसीलदार तक पदोन्नति का स्पष्ट रास्ता

चुनौतियाँ

- एक साथ कई गाँवों का बोझ, फसल कटाई एवं आपदा के समय बहुत दबाव
- ज़मीन विवादों में दोनों पक्षों का दबाव एवं शिकायतों का जोखिम
- पदोन्नति धीमी होती है, गिरदावर बनने में कई वर्ष लग सकते हैं

9 असल ज़िंदगी की कहानियाँ

Manju Suwalka
पटवारी, भीलवाड़ा

भीलवाड़ा ज़िले के भोली गाँव की मंजू सुवालका ने कोरोना काल में अपने पति विमलेश को खो दिया और दो छोटी बेटियों की पूरी ज़िम्मेदारी अकेले सँभाली। घर-गृहस्थी और बच्चों की देखभाल के बीच उन्होंने रोज़ पाँच से छह घंटे नियमित पढ़ाई जारी रखी और पटवारी पद पर चयनित हुईं। उनका संदेश है कि असफलता को खुद पर हावी न होने दें।

Patrika · https://www.patrika.com/bhilwara-news/success-story-of-bhilwara-manju-suwalka-daughter-of-2-mother-became-patwari-20735705

Sapna Gurjar
पटवारी, ब्यावर ज़िले में नियुक्त

अजमेर से लगभग 35 किलोमीटर दूर हासियावास गाँव की सपना गुर्जर उस गाँव से आती हैं जहाँ कभी बाल विवाह के बाद बेटियाँ पढ़ाई छोड़ देती थीं। सपना ने स्नातक की पढ़ाई के साथ-साथ राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर फुटबॉल खेली और फिर पटवारी भर्ती परीक्षा उत्तीर्ण कर ब्यावर ज़िले में नियुक्ति पाई। उनकी माँ किशनी देवी कहती हैं कि बेटियों को पढ़ाना चाहिए, तभी वे आगे बढ़ सकती हैं।

Patrika · https://www.patrika.com/ajmer-news/patwari-and-stenographer-real-life-success-story-of-village-girl-became-government-officer-from-football-player-20371435

Premsukh Delu
पटवारी से भारतीय पुलिस सेवा (आई.पी.एस.) तक

बीकानेर के एक गरीब किसान परिवार के प्रेमसुख डेलू के पिता ऊँटगाड़ी चलाकर सामान ढोने का काम करते थे। उन्होंने कक्षा 10 तक गाँव के सरकारी विद्यालय में पढ़ाई की, फिर राजकीय डूँगर महाविद्यालय, बीकानेर से इतिहास में स्वर्ण पदक के साथ स्नातकोत्तर किया। स्नातक पूरा करने के बाद 2010 में उन्होंने पटवारी भर्ती के लिए आवेदन किया और चयनित हुए; इसी नौकरी से शुरुआत कर वे आगे बढ़ते हुए भारतीय पुलिस सेवा तक पहुँचे।

Amar Ujala · https://www.amarujala.com/education/success-stories/success-story-of-ips-premsukh-delu-who-change-twelve-government-jobs-in-six-years-2023-07-20

10 अगर यह रास्ता न बने तो

एक परीक्षा या एक प्रयास से रास्ता बंद नहीं होता। इन्हीं विषयों से ये रास्ते भी खुलते हैं — इनमें प्रवेश आमतौर पर आसान होता है और आगे चलकर इसी क्षेत्र में लौटा जा सकता है।

- कनिष्ठ लिपिक / कनिष्ठ सहायक (राजस्थान)
- ग्राम विकास अधिकारी (वी.डी.ओ. / ग्राम सेवक)
- राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आर.ए.एस./आर.टी.एस.)

11 स्रोत व आगे पढ़ें

1. राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (आधिकारिक) — https://rssb.rajasthan.gov.in/

2. राजस्व विभाग एवं राजस्व मंडल, राजस्थान — https://landrevenue.rajasthan.gov.in/

3. अपना खाता (ई-धरती) भू-अभिलेख पोर्टल — https://apnakhata.rajasthan.gov.in/

4. आर.के.सी.एल. — आर.एस.-सी.आई.टी. कंप्यूटर पाठ्यक्रम — https://www.rkcl.in/

5. विकिपीडिया: पटवारी — https://en.wikipedia.org/wiki/Patwari

6. आठवाँ केंद्रीय वेतन आयोग — मंत्रिमंडल की स्वीकृति (पी.आई.बी., 28 अक्टूबर 2025) — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2183289

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in